



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

५-१२-२३



## Collective efforts must for food security, says Khattar

TIMES NEWS NETWORK

**Hisar:** Highlighting natural farming as need of the hour, Haryana chief minister Manohar Lal on Monday urged agricultural scientists for collective efforts at the global level for food and nutrition security.

The CM was speaking as the chief guest at the inauguration of a three-day international conference on "Strategy for Global Food-Nutrition Security, Sustainability and Health" and an exhibition on

entrepreneurship and innovation in the agricultural sector organised by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University here.

Khattar said with the green revolution there had been a rapid increase in the non-judicious use of various chemicals and fertilisers to increase crop production, leading to second generation problems such as groundwater contamination and declining soil health, biodiversity loss, etc. Therefore, natural farming is the need of the hour. It redu-

ces the dependence on synthetic and chemical inputs like fertilisers and pesticides which are harmful to the environment and health, he said.

The CM further said to get rid of these problems and for the sustainable development of agriculture in Haryana, the state government was promoting organic and natural farming and diversification through horticultural crops, aquaculture, poultry, etc. under the Paramparagat Krishi Vikas Yojana.



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मेलन पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूमि	५-१२-२३	१	२-६

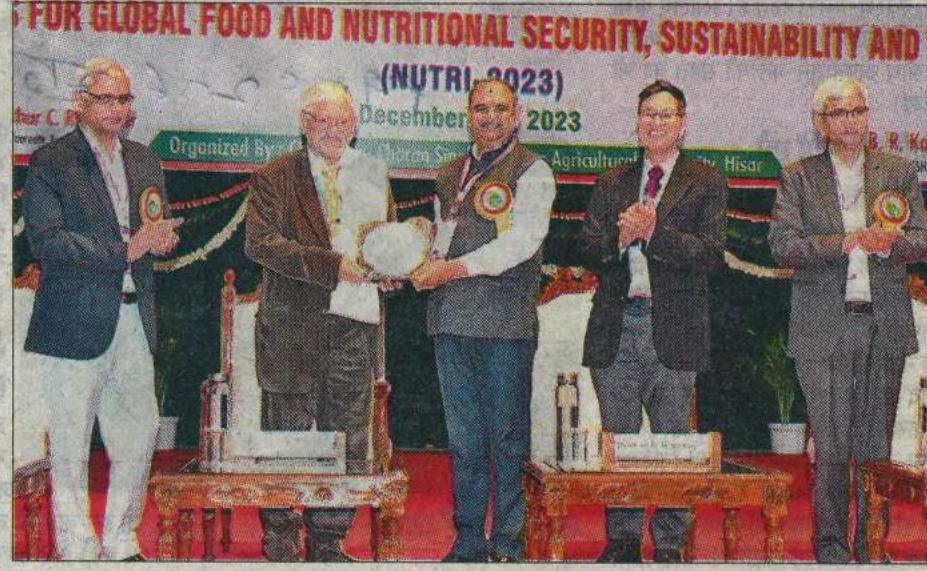
हक्कि में वैदिक खाद्य-पोषण सुरक्षाके लिए रणनीति विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन

# जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाना जरूरी

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे बताया

हरियाणा न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते कुलपाता प्रो. बी.आर. काम्बोज।



हिसार। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते कुलपाता प्रो. बी.आर. काम्बोज।

फोटो: हरिभूमि

परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि, जल, ऊर्जा व श्रम जैसे संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव, जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फल्वारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग

दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्तर्सर्जन का कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त मशीनीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

**तकनीक से कृषि क्षेत्र ने कृषकों को संपन्नता संभव : प्रो. कापारेडा**

अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने

अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया कि अभियांत्रिकी आधारित व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपन्नता संभव है। उन्होंने कृपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी

पोषण सुरक्षा आधारित कृषि पद्धतियां समय की मांग : प्रो. काम्बोज

कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की मलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर वर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशी से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विजिन मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएँ हैं जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भीजन के उत्पादन, उपभोग और प्रमाण से जुड़ा है। इन दोनों पहलुओं को संतुलित करना, मुनाफा और पृथकी की मलाई के लिए आवश्यक है। स्थानी खाद्य प्रणालियां अंतर्राष्ट्रीय तर्ज से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं।

का स्वागत किया, जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता डॉ. केडी. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. जयति टोकस व डॉ. ज्येति सिहां ने किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	५-१२-२३	१	१-५

**भास्कर खास** • एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2050 तक विश्व का औसत तापमान 2 डिग्री तक बढ़ेगा, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना होगा, हरियाली को दें बढ़ावा : प्रो. रिडेकर

यशपाल सिंह | हिसार



प्रो. आर्थर सी. रिडेकर

ग्लोबल वार्मिंग के चलते विश्व का औसत तापमान 2050 तक 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के चलते जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ऊर्जा है। इसके चार बड़े कारक पेट्रोल, डीजल, कोयला और प्राकृतिक गैस आदि हैं। इसलिए ग्लोबल वार्मिंग को रोकने, वातावरण को अनुकूल बनाने और सभी देशों को खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक प्रयास व अनुसंधान करने होंगे। पृथकी का स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए वनीय क्षेत्र और हरियाली को बढ़ाना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण

## विकसित व विकासशील देशों को सोचना होगा

विकसित और विकासशील देशों को ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करने पर सोचना होगा। जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अत्यधिक वर्षा आदि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा। यह वनीय क्षेत्र व हरियाली बढ़ाकर संभव है। डिलिंग, खनन और लैंडफिल के बीच के अंतर को कम करना होगा। भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल चक्र का चुनाव करना होगा।

समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की

धानकी पराली और फसली अवशेषों को कार्बन में बदल जैव ईंधन के रूप में कर सकते हैं इस्तेमाल : प्रो. सर्जिओ

धान व अन्य फसली अवशेषों को कार्बन में परिवर्तित करना व जैव ईंधन के रूप में इनका प्रयोग करना आदि किसानों को प्रशिक्षित करके टिकाऊ खेती करना समय की मांग है। कृषि विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से टिकाऊ खेती की स्थिरता को बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, कार्बन क्रेडिट, कार्बन सिक्वस्ट्रेशन के साथ ही कृषि बाई-प्रोडेक्ट को कार्बन में परिवर्तित कर ऊर्जा पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया कि अधियांत्रिकी आधारित



व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपत्ति संभव है।

उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअन्न फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने व उपयोग करने के लिए जागरूक किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम  
२५ निज २०२१

दिनांक  
५-१२-२७

पृष्ठ संख्या  
२

कॉलम  
२-५

## खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मनोहर लाल

हकूमि में मुख्यमंत्री ने उद्घाटन एवं नवाचार विषय पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जागरण संबद्धाता, हिसार: मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बढ़ाते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रब्लेम वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है। उन्होंने कहा हरियाणा में कृषि के सतत विकास के लिए राज्य सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत बागवानी फसलों, जलीय कृषि, मुर्गी पालन आदि



हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। साथ में हैं शहरी निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैटन भूपेंद्र, कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य। ● जावाहा

के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनियां के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि में आधुनिकता लाने व समस्याओं को एक साथ हल करने के लिए हम दूसरे देशों का भी स्वागत करते हैं। विशेष तौर पर इजराइल के साथ हमने अच्छे संबंध

बनाए हैं जिसमें हमारे यहां चल रहे 14 उत्कृष्टता केन्द्रों में इजराइल के साथ-साथ जापान का भी योगदान रहा है और भविष्य में दूसरे देशों के साथ भी कृषि गतिविधियों को बढ़ाया दिया जाएगा।

उन्होंने फसल सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, जलवायु लचीलापन, मूल्य संवर्धन, आय सूजन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन और फसल कटाई के पहले और बाद की कई चुनौतियों को कम करने के लिए किसानों के बीच जीवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रसारण में हरियाणा कृषि विवि द्वारा दिए जा रहे योगदान के लिए प्रशंसनीय।

**कैलेंडर में चार दिसंबर अंकित होगा विशेष दिवस**

जारी, जीद : चार दिसंबर को सरकारी कैलेंडर में विशेष दिवस घोषित किया जाएगा। सैन समाज के परंपरागत कार्यों की दक्षता व प्रशिक्षण के लिए गुरुग्राम, हिसार, रोहतक और अंबाला में चार केश कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे।

इन केंद्रों की सफलता के बाद आवश्यकतानुसार अन्य जगहों पर भी केंद्र भी खोले जाएंगे। ये घोषणाएं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को संत शिरोमणी सैन भक्त की जयंती के उपलक्ष्य में एकलत्य

स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस समाज को सैन नाम से अलग पहचान देने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले के लिए 580 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सैन भगत ने जनजागरण के रूप में ख्याति प्राप्त की। साथ ही आह्वान किया कि लोग बच्चों को नशे से दूर रखें। नशे का कारोबार करने वालों की कमर तोड़ने के लिए सरकार काम कर रही है।

# अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन • एचएयू में सीएम ने किया तीन दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ, देश -विदेश के सैकड़ों वैज्ञानिक पहुंचे खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी अवधारणाएं, दोनों को संतुलित करना मानव और पृथ्वी के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

भारत न्यूज | हिसार

खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं। जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर धोजन के उत्पादन, उपभोग और प्रभाव से संबंधित हैं। इन दोनों पहलुओं को संतुलित करना, मुनाफ़ा और पृथ्वी की भलाई के लिए आवश्यक है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैशिक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर. काम्बोज ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आबादी की भलाई के लिए वैशिक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशी से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

स्थायी खाद्य प्रणालियां अक्सर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उत्पादन को बढ़ावा देती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। स्वास्थ्य का हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से गहरा संबंध है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे फल, सब्जियां, संपूर्ण अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। न्यूटी-2023 सम्मेलन में वैशिक पोषण सुरक्षा और कल्याण के लिए बाजरा, कृषि-व्यवसाय के लिए कृषि-उद्यमिता और उद्योग संबंध, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण कृषि, टिकाऊ कृषि के लिए संसाधन प्रबंधन और एकीकृत खेती, फसल उत्पादन में जैविक और अैजैविक तनाव प्रबंधन के तरीके, प्राकृतिक व जैविक खेती, कृषि उत्पादन बढ़ाने में सूझ जीवों का विवरण मुख्य विषय रहेंगे।



हिसार | हक्कीवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल, निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और वीसी प्रो. बीआर काम्बोज।



हिसार | एचएयू के सभागार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर मौजूद मेहमान वैज्ञानिक और एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज।



हिसार | एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में करीब 15 देशों के 1500 से ज्यादा वैज्ञानिक और शोधार्थी पहुंचे।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. जीतराम शर्मा ने सभी का स्वागत

किया। जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ.

## सम्मेलन में ये प्रमुख वैज्ञानिक ले रहे भाग

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ. डिटर एच नुट्ज ओस्नाबूरक, डेनमार्क से डॉ. अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर यो तोमा व डॉ. टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ. विक्टर कामकिन व डॉ. ओक्साना एमाकोवा, फ्रांस से डॉ. बोचाइब खदरी, पौलेंड से डॉ. टकाओ इशिकावा, मिस्र से डॉ. हॉसम रूशदी, कोलम्बिया से डॉ. देवकी नंदन, सीपीट मैक्सिको से डॉ. एमके गथाला एवं डॉ. मैक्सवेल मकोंडीवा, ब्राजील से डॉ. फ्रासिस्को फगिंओ व डॉ. वाल्मी हैजे-फगिंयो, ईरी-शार्क से डॉ. राबे याहया, ईक्रीसेट से डॉ. एसके गुप्ता, कैलिफोर्निया से डॉ. चंद्र पी. अरोड़ा शामिल हैं। देश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यरत प्रख्यात वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे हैं, जिनमें एडीजी आईसीआर डॉ. एसके शर्मा, एडीजी आईसीआर डॉ. बीपी मोहंती इत्यादि शामिल हैं।

जयंती टोकस व डॉ. ज्योति सिंहाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया।

# कृषि संसाधनों का उचित प्रयोग जरूरी: प्रो. आर्थर

जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए दिए सुझाव, हृषि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ



हृषि में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर कामबोज की ओर से मुख्यांतिक प्रांस के आइपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते हुए। • जगरण

जगरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी संभागर में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए 'रणनीति' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्यांतिक के रूप में प्रांस के आइपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी. रिडेकर रहे मुख्य वक्ता अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिंओ सी. कापारेडा ने अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभियांत्रिकी आधारित व वैज्ञानिक तकनीक की मदद से कृषि क्षेत्र में उन्नति व कृषकों को संपन्नता संभव है। उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए श्रीअनं फसलों को छोटे जोत व कम भूमि वाले किसानों को भी फसल चक्र में शामिल करने के



हृषि में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित देश व विदेश के शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वैज्ञानिक। • जगरण

उपयोग करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान क्षेत्र में तकनीकी सहयोग से टिकाऊ खेती की स्थिरता को बनाने के लिए कार्बन कैप्चर, कार्बन क्रेडिट, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन के साथ ही कृषि बाई-प्रोडेक्ट को कार्बन में परिवर्तित कर ऊर्जा पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादन के साथ ही बाई-प्रोडेक्ट जैसे की धान की पराली व अन्य फसलों के अवशेष को भी योजनाबद्ध तरीके से पशुपालन में उपयोग कर खेत में ही समायोजित करना साथ ही इसे कार्बन में परिवर्तित करना व जैव इंधन के रूप में प्रयोग करना इत्यादि विषय में किसानों को प्रशिक्षित कर टिकाऊ खेती को बचाना समय की मांग है।

**भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने के बारे में बताया**  
प्रो. आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि, जल, ऊर्जा व प्रम जैसे संसाधनों का प्रभावी ढांग से उपयोग करने की सलाह दी। कहा कि भूमि उपयोग दक्षता के लिए उपयुक्त फसल वर्ग का चुनाव, जल उपयोग दक्षता के लिए टपका सिंचाई, फलवारा सिंचाई तथा ऊर्जा उपयोग दक्षता के लिए ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन का कम करना व श्रम उपयोग दक्षता के लिए कृषि संसाधनों को प्रशिक्षित कर टिकाऊ खेती को बचाना समय की मांग है।

**कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर करेंगे चर्चा**  
कुलपति प्रो. बीआर कामबोज ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में बढ़ती आवादी की भलाई के लिए वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करना है। इसमें विद्यार्थी, शोधकर्ता व विदेशी से आए कृषि विशेषज्ञ मिलकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खाद्य स्थिरता और स्वास्थ्य आपस में जुड़ी हुई अवधारणाएं हैं जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों पर भोजन के उत्पादन, उभयोग और प्रभाव से संबंधित हैं। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, कैटन भूपेंद्र व मेयर गौतम सरदाना आदि मौजूद थे।

'कृषि समस्याएं दूर करने के लिए विज्ञानियों के सुझाव करेंगे लागू'

जगरण संवाददाता, हिसार मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कृषि में सुधार को लेकर विज्ञानियों की तरफ से काम किया जा रहा है। उसी को लेकर तीन दिन तक विश्व के विज्ञानी आपस में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए विचार मंथन में जो भी सुझाव निकल कर सरकार के पास आएंगे उनको लागू किया जाएगा। वह किसान और कृषि के लिए बेहतर होगा। वह सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वायु, प्रदूषण, पानी का संकट, मार्केटिंग का सही निर्देश दिए गए हैं।



मुख्यमंत्री मनोहर लाल पत्रकारों से बातचीत करते हुए। • जगरण



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
संघ कड़

दिनांक  
५-१२-२३

पृष्ठ संख्या  
२

कॉलम  
१-४

## मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में किया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन के लिए कई देशों के साथ काम कर रही सरकार: मनोहर लाल

■ एग्री बिजनेस इन्वेस्टिगेशन  
सेंटर के माध्यम से  
100 स्टार्टअप हुए शुरू

हिसार (सच कहाँ/श्याम सुंदर सरदाना)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्वक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दैरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इन्वेस्टिगेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप्स के माध्यम से टिश्यू कल्चर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद



तैयार किए गए हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का निर्यात देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में

रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों

15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी  
ले रहे भाग

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर कामोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, दयूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

से पार पाकर, आगे बाली पीढ़ियों को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैटन भूमेंद्र सिंह, मेयर गौतम सरदाना, मंडलायुक्त गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मेहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल आदि उपस्थित थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ नवंबर २०२३	५-१२-२३	२	३-५

## सीएम ने एचएयू में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा व स्वास्थ्य पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ हरित क्रांति के साथ फसलों में बढ़ा उर्वरकों का उपयोग, प्राकृतिक खेती समय की मांग : सीएम

भास्कर न्यूज | हिसार/जीद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों के उपयोग में तेजी से बढ़ि रुई है, जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति आदि उत्पन्न हो गई हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती समय की मांग है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के कृषि उत्पाद का नियांत देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। वातावरण लगातार दूषित हो रहा है, इस तरफ सोचना होगा। वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, पानी की भी समस्या बढ़ रही है, ग्लोबल वार्मिंग एक चुनौती है, इसको लेकर सम्मेलन में जो भी सुझाव आएं उनको प्रदेश में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने देश-विदेश की शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

कहा - गुणवत्ता पर कृषि उत्पादन के लिए राज्य सरकार कर रही काम



हिसार | हक्कीवि में प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम मनोहर लाल व अन्य।

### 42 हजार परिवारों के युवाओं को मिलेंगे 5 अंक

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 42 हजार परिवारों में अभी तक सरकारी नौकरी में कई नहीं, उन समाज के लोगों को सरकारी नौकरी में 5 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य हर गरीब व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है।

### पहले सरकारें बापव दादा को याद करती थी, हम समाज के महापुरुषों और संतों को याद कर रहे

जीद में राज्य स्तरीय संत शिरोमणि सैन भगत महाराज की जयंती समारोह में सीएम मनोहरलाल ने मोदी सरकार को जीरो टोलरेस वाली साबित करने का दावा ठोकते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि 100 रुपया भेजने पर आम जनता तक केवल 15 रुपए पहुंचते हैं, लेकिन आज की सरकार में 100 रुपए भेजने पर सीधे अकाउंट में 100 रुपए ही पहुंचते हैं। किसानों के खाते में भी सीधे फसल की पेमेंट जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अब जातिवाद, परिवादवाद की राजनीति को खत्म करने का काम कर रहे हैं। सीएम के कार्यक्रम से पहले किसान नेता डॉ. दलबीर बीबीपुर को पुलिस ने हिरासत में लेकर नजरबंद कर दिया। दलबीर पर सीएम के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपशब्द बोलने का आरोप है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम <u>अभ्यु नुजाल।</u>	दिनांक <u>५-१२-२३</u>	पृष्ठ संख्या <u>।</u>	कॉलम <u>१-६</u>
---	--------------------------	--------------------------	--------------------

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एचएयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने उद्घाटन एवं नवाचार विषय पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

## खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैशिवक स्तर पर करने होंगे प्रयास

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैशिवक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 'वैशिवक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व कृषि क्षेत्र में उद्घाटन एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित क्रांति के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न रसायनों, उर्वरकों उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है। इससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएं जैसे भूजल का दूषित होना,



एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री। संगठन

प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव-विविधता की क्षति उत्पन्न हो गई है। हमें भोजन के साथ पोषण की भी जरूरत है। प्राकृतिक खेती समय की मांग है।

सम्मेलन चुनौतियों का समाधान करने में कारगर

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लड़ाइयां सुनिश्चित करने और वैशिवक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह सम्मेलन विश्व स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने व चुनौतियों का प्रभावी हंग से समाधान करने में बहुत कारगर सिद्ध होगा। इस अवसर पर शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, मेयर गौतम सरदाना आदि उपस्थित रहे।

**तकनीकी विषयों पर किया व्याख्यान :** विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ट्र्यूनीशिया, ब्राजील, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। सोमवार को सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में फ्रांस के आईपीसीसी नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफेसर आर्थर सी रिडेकर व अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम, विश्वविद्यालय के संकाय फेलो प्रोफेसर सर्जिओ सी कापारेडा ने तकनीकी विषयों पर अपना व्याख्यान दिया।

आदि के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही है।

पेज-04 पर पढ़ें : बायोमास का खेत में ही जैविक तरीके से करें निपटान



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दौरःभूमि	५-१२-२३	२	१-६

## गुणवत्तापरक कृषि उत्पादन को बढ़ावा दे रही सरकार

हरिगौ मनोहर लाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा ने इस क्षेत्र में

■ गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रही सरकार शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। सीएम ने प्राकृतिक खेती को समय की मांग बताते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से सामूहिक

प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि



हिसार। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का नियंत्रण देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के

साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्रीगणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़



प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री

उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद्य एवं दवाइयों के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है।

भागी पीढ़ियों को सुखद जीवन देने की दिशा में शोध जल्दी

इसमें वैज्ञानिकों की महिला अति महत्वपूर्ण भूमिका आती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर आने वाली पीढ़ियां को सुखद जीवन देने का काम करेंगे। हक्कुवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक दिशरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लड़ीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बढ़लती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी उन्नतियों का समाना कर रहा है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पत्रांक संख्या	दिनांक ५-१२-२३	पृष्ठ संख्या २	कॉलम १-२
--------------------------------------	-------------------	-------------------	-------------



मुख्यातिथि फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

**जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए...**

## भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाना जाएँ : प्रो. आर्थर सी. रिडेकर

- हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर रहें, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अमरीका की टैक्सास ए-एंड-एम विश्वविद्यालय के संकाय
- फैलो प्रोफैसर सर्जिओ सी. कापारेडा मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने समारोह की अध्यक्षता की।
- फ्रांस के आई.पी.सी.सी. नोबेल पुरस्कार के सह-विजेता प्रोफैसर आर्थर सी. रिडेकर ने जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निपटने के लिए भूमि उपयोग की दक्षता बढ़ाने व कृषि संसाधनों का उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब के सरी

दिनांक  
५-१२-२३

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
१-६

# मुख्यमंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

वैज्ञानिकों ने कई किस्मों  
बारे दी जानकारी

» कुलपति ने टिश्यू कल्पर  
तकनीक से केला किस्म  
तैयार करने बारे दी जानकारी

हिसार, ५ दिसम्बर (राठी): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है।

इस मौके पर कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित करने और वैश्विक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण, खाद्य सुरक्षा, सतत विकास और त्वरित जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों

की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। प्रदर्शनी के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय में 'वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर आयोजित ३ दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और वैज्ञानिकों के साथ बैठक की।



हकृति में आयोजित कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं नवाचार पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व अन्य।

का सामना कर रहा है। यह सम्मेलन विश्व स्तर पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने तथा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने में बहुत कारगर सिद्ध होगा।

उन्होंने श्रीअन्न के संबंध में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ७५वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। देश में मोटे अनाजों वाली फसलों को

## मुख्यमंत्री का पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

हकृति शिक्षक संघ हौटा, गैरशिक्षक संघ तथा छात्रों ने भाजपा की ३ राज्य में भारी जीत पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को लहू खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षक संघ के प्रधान डॉ. अशोक गोदारा ने मुख्यमंत्री को राजस्थान पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इस अवसर पर गैर शिक्षक संघ के प्रधान दिनेश राहड़, शिक्षक संघ के पूर्व प्रधान डॉ. करमल सिंह मलिक, उपग्रहान डॉ. कृष्ण यादव, सचिव डॉ. सोमवार निंबल, सहसंचिव डॉ. दिनेश तोमर, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. मदन खींचड़ आदि मौजूद रहे।

## नरी के खिलाफ चलाई जागरूकता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से सामाजिक संस्था सर्व कल्याण मंच द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जागरूकता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यात्रा के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने नशे की रोकथाम हेतु संस्था द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा के माध्यम से सर्व कल्याण मंच संस्था द्वारा समाज को नशा करने से होने वाले नक्सानों के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा और लोगों की जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मेयर गौतम सरदाना, सरोज सिहाग, संस्थाओं से आए प्रव्याप्त वैज्ञानिक सहित देश व विदेशों के शोध भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	05.12.2023	--	--

# मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विविध अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : खट्टर

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़/धरणी : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दैरेन मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एप्री बिजेस इन्ड्यूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप



हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में वैश्विक खाद्य और पोषण संबंधी सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण के लिए रणनीतियों पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए।

शुरू करवाए जा चुके हैं। इन उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां कल्चर तकनीक से केला, गत्रा की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रछात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उद्यान को लेकर सरकार द्वारा ठेस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। कृषि क्षेत्र

में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद एवं दवाइयां के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर कामोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	05.12.2023	--	--

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एचएयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही कामः मनोहर लाल

- एग्री विजनेस इव्यूरेशन सेंटर के माध्यम से 100 स्टार्टअप हए थएं।

स्थापित है। स्टेटर के माध्यम से गत 04 बयों में 06 करोड़ की शक्ति उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप युवा करवाए जा चुके हैं। इनके माध्यम से टिशू कल्टर्चर तकनीक से केला, गना जौ वेहतरीन किसम तैयार करना और मोटे अनाज से तैयार खाद्य ऊर्ध्वाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 दशों की प्रसिद्ध साथ मस्तिष्कों में आए प्रश्नों की जीवनिकों के साथ बैठक पी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने काम किया जा रहा है।

फसल की गुणवत्ता बढ़ाने में कृषि वैज्ञानिकों की भूमिका अहम है। उन्होंने सेमीनार में उत्पादित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से प्रश्नचार कराते हुए कहा कि कृषि शैक्षि के उद्धारण का लेकर सरकार द्वारा ठार कर्दम उठाए जा रहे हैं। मई-नवं तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा



इकूल में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शाखाभूक बनते हुए मानवमिति (प्राची) विजित देशों की सहित शायद संसाधनों से आप प्रबलासी वैज्ञानिकों के साथ देश करने वाला मानवमिति मनोहर लाल।

प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उत्पलविद्या प्राप्ति की है। यहाँ के कृषि उत्पादन का नामांक देश व दुनिया के कई देशों में भी रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ उत्पादकीय गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया कई देशों के साथ जांच सरकार द्वारा

प्राप्ति की है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड गोबल पुरस्कार के सह-विजेता चौथी तीव्रता भी खड़ी हो गई है। अधिक सम्मेलन के मुख्य संरक्षक श्री ओआर खाद एवं दबाइक के प्रयोग से फसल आंदोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 0.4 से 0.6 दिवसर तक तीन दिवसीय कार्यपाद ने तनावीकी विधियों पर अपन

काम किया जा रहा है। फसल की गुणवत्ता बढ़ाने में कृषि वैज्ञानिक को भूमिका अद्य उन्होंने समीकरण में उपस्थिति दियाया। सरकार के मंत्री गणेश ब अन्य अतिथियों वाले वैज्ञानिकों से परिचय नकारते हुए कहा कि कृषि वैज्ञानिक उदयन को लेकर सख्त और ठोक रुदम उडाए जा रहे हैं। वह-नह कानूनीक जो इस्तेमाल किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा जिससे मनव को अनेक वौमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यहाँ नहीं पानी और पानीवरण भी प्रबूढ़ी हो रहा है। इन तापमान चुम्बीतों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्व सभा तथा कियोगी वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुम्बीतों से पार पाकर अनेक बाणी पोड़ियों को सुखद जीवन देने का काम करेगा। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का अधोजन किया जा रहा है। जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कानाखस्तान, जापान, मिस्र, प्राप्त, जर्मनी, दक्षिणीश्याम, ग्रीनलैंड, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भावनामक प्रियता है। देश को अनाज के शेत्र में अत्यधिक बढ़ने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अहम भूमिका रही है। सम्मेलन के पूछ वक्ताओं में ये हुए आमिल : तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य वक्ताओं में जर्मनी से डॉ. डिटर एच. ब्रुट्ज औस्ट्रियूक, डेनमार्क से डॉ. अहमद जहूर, जापान से प्रोफेसर ये तोमा व डॉ. टाकुरो शिनानो, कजाकिस्तान से डॉ. विक्टर कामानिन व डॉ. ओक्साना एमालोवा, प्राप्त से डॉ. बोचाइब खादरी, पैलें से डॉ.

टका और दूधिकावा, मिस्र से डॉ. हाँसम  
रस्ती, कोलंनिया से डॉ. देवकी  
ननद, सीर्पी चैम्पिनिया से डॉ. एम्पे  
गयाल एवं डॉ. बैम्पेल मकोडोला, +  
ब्राजील से डॉ. प्रासिस्टो फिगिन्यो व  
डॉ. बाल्मो हैज़-फिगिन्यो, हीरी-शार्क  
से डॉ. राधे याहाया, इक्कीसेट से डॉ.  
एस्के गुप्ता, केलिफार्निया से डॉ. चंद्रपी  
अराडा शामिल हैं। देश के प्रमुख शास्त्री  
संस्थाओं में कायरंत राष्ट्रवाचनिक  
भी सम्मेलन में ल्याखान देने पहुँचे।  
जिनमें एडोर्नो अंडरसीआर डॉ. एस्के  
शर्मा, एडोर्नो अंडरसीआर डॉ. बीपी  
मोहनी शामिल हैं।

इस अवसर पर शहरी स्थानेय  
निकाल मंडी डॉ कमल युसुप, भाजपा  
जिला अध्यक्ष कैटन धूम्रद सिंह, मेरा  
गोताम साराहा, मदलसुकुर गोता  
भारती, उपसुकुर उत्तम सिंह, नगर  
आयुक्त प्रदीप दहिया, चुलिस अधीक्षक  
मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रे. छत्रपाल,  
विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रर बलबान  
सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के  
अनुसंधान निदेशक एवं सम्प्रेषण के  
आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा,  
एसएसडी डॉ. अतुल ढीगडा,  
एसएसडी डाकारक्टर एसस्टेंशन डॉ.  
केळे वादव, एससीसी कपिल अरोडा,  
झंजिनपर अर्पित तनेजा, डॉ. एसके  
पाण्डा उपायित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.12.2023	--	--

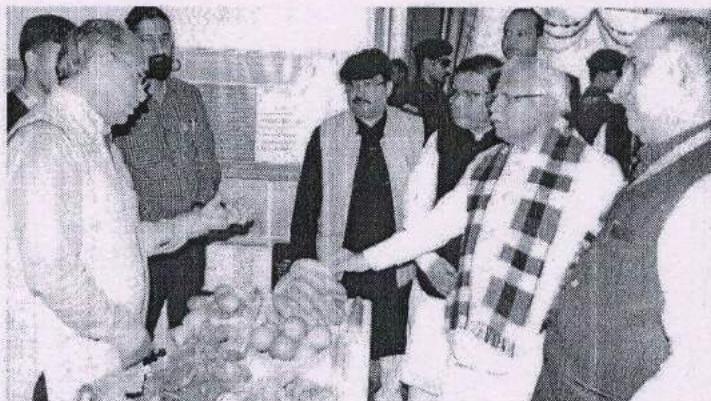
## एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

कृषि उत्पादन के बढ़ावा के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजेनेस इन्क्वयूबेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप्स के माध्यम से टिश्यु कल्वर तकनीक से केला, गन्ना की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद



### 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी ले रहे भाग

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, मिस्र, फांस, जर्मनी, द्यूनीशिया, ब्राजील, मोरको सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

का नियांत्रित देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। फसल की गुणवत्ता बढ़ाने में कृषि वैज्ञानिक की भूमिका अहम : उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गणों व अन्य अतिथियों का वैज्ञानिकों से

परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद एवं

ये रहे मौजूद इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह, मेयर गैतम सरदाना, मडलयुक गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बलवान सिंह मंडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, ओएसडी डॉ अतुल ढोगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ केके यादव, एसबीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अपीत तनेजा, डॉ एसके पाहुजा आदि उपस्थित थे।

दबाइयों के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यहीं नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	04.12.2023	--	--

## मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए साज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री मनोहर लाल



हाथी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते तथा प्रदर्शन का अवलोकन करते हरियाणा के मुख्यमंत्री गनेश लाल। तथा विशेष देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रत्यात वैज्ञानिकों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री गनेश लाल।

### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 दिसम्बर : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैधिक खाद्य-पोषण सुरक्षा, विधान और स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय परिसर में कृषि क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित प्रदर्शनों का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए ऐसी विज्ञेन्स इनकॉर्पोरेशन सेंटर स्थापित है। इस सेंटर के माध्यम से गत 4 वर्षों में 6 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअप्स के माध्यम से टिर्यु कल्चर तकनीक से केला, गता की बेहतरीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध शोध संस्थाओं से आए प्रश्नात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का नियंत्रण देश व दुनिया के कई देशों

में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

उन्होंने सेमिनार में उपस्थित हरियाणा सरकार के मंत्री गोपन व अन्य अधिकारियों का वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के उत्थान को लेकर सरकार द्वारा ठेस कदम उठाए जा रहे हैं। नई-नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश ने इस क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। कृषि क्षेत्र में कारोड़ों लोड उत्पादन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही नई चुनौतियों भी खड़ी हो गई हैं। अधिक खाद्य एवं दबावाओं के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता का स्तर गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक बीमारियां अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यदी नहीं पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब चिंतन करना बहुत आवश्यक हो गया है। इसमें वैज्ञानिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण बन जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं के चुनौतियों से पार पाकर आगे बालों पांडियों को सुखद जीवन देने का काम करेंगे।

गोरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति

एवं सम्मेलन के मुख्य संस्थाक प्रो. बीआर काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में 4 से 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कजाखस्तान, जापान, चीन, प्राय় ৩০ মিনিট মেরিসকো সে ঢাঁ. এম.কে. গথলা, ফ্রান্সস্কো ফার্গানো চ ঢাঁ. বালমী হেন্রি-ফার্গানো, ইরী-রাক সে ঢাঁ. রেবে যাহায়া, ইংরেজিসেট সে ঢাঁ. এস.কে. গুস, কেলিমেনিয়া সে ঢাঁ. চৰ্দ পো. অরোড় শামিল হন। দेश के प्रसिद्ध शोध संस्थाओं में कार्यत प्रभाग वैज्ञानिक भी इस सम्मेलन में व्याख्यान देने पहुंचे हैं, जिनमें एडोनी आइसीआर डॉ. एस.के.शामा, एडीजी आइसीआर डॉ. बीपी मोहनी इलायदि शामिल हैं।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कैटन भूपेन्द्र सिंह, भैरव गौतम सरदारा, मंडलायुक गीता भारती, उपायुक्त उत्तम सिंह, नगर आयुक्त प्रदीप दहिया, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल, विश्वविद्यालय के रजिस्टर बलबान सिंह रैडल, विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जीतराम शर्मा, औएसडी डॉ अतुल ढोगड़ा, एसोसिएट डायरेक्टर एक्सेटेशन डॉ केके यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, इंजीनियर अपिंत तनजा, डॉ एसके पाहुजा आदि उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	04.12.2023	--	--

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री मनोहर लाल हक्कड़िय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरम्भ

किंता ( किंता ट्रायम् )

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक स्रोतों की समस्य की मांग बढ़ाते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैधिक स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों से मामूलिक प्रश्नाएँ उठाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री जब चीधरी चारण सिंह हरियाणा कृषि विभागीय में 'वैधिक खाद्य-पोषण सुरक्षा, गिरवाता और स्वास्थ्य' के लिए रणनीति' विषय पर जारीजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मम्मेलन तथा कृषि क्षेत्र में उद्घासित एवं नवाचार पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बड़ीर मुख्यांतिक संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की कृषि के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न साधानों, उत्कर्षों उपयोग में तेजी से नुक्ति है। जिससे दूसरी पीढ़ी की समस्याएँ जैसे भूजल का शूष्टि होना, प्रदूषण और मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, जैव विविधता की क्षति अतिरिक्त उत्पाद हो गई है। इसलिए



प्राकृतिक योगी समय की मांग है।  
उन्होंने कहा हरियाणा में कृषि के  
सहज विकास के लिए यह  
सरकार परम्परागत कृषि विवाद  
योजना के तहत बागवानी फसलों  
जैसीय कृषि, मुर्गी पालन आदि  
के भाग्यम् ऐ परस्पर  
विविधीकरण को बढ़ावा दें।

भानवार उपनिषद्यां हासिल की है। यहाँ के कृषि उत्पाद का नियंत्रण देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ प्रिलंबित राज्य सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। कृषि में आधुनिकता लाने व समस्याओं को एक साथ हल करने के लिए इम द्वारे देशों का भी सहयोग करते हैं। विशेष तौर पर इजराइल के साथ हमने अच्छे संबंध बनाए हैं जिसमें हमारे यहाँ चल एं 14

उत्तमता फेन्डो में इग्रेशन के साथ-साथ जापान का भी योगदान रहा है और भविष्य में दूसरे देशों के साथ भी कृपि विविधियों का व्यापक विस्तार होगा।

इन्होंने कहा दृश्याणु वर्जन  
यथित विभिन्न फलतों की खेती  
के लिए अपनी अनुवृत्ति व आदर्श  
जलवायु परिस्थितियों के कारण  
कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण  
मूल्य है। इन्होंने कहा आखोतिका  
उत्पन्न करने, किसानों की आय  
बढ़ाने और दूसिया भर में योग्य  
मुख्य सुविधाएं करने के लिए  
आवश्यक एक महत्वपूर्ण फलता है।  
उन्होंने फलत सुख, प्राकृतिक  
खेती, जलवायु लचीलापन, मृत्यु  
संबर्धन, आय सुख, आपूर्ति  
सुखला प्रबंधन और फलत कटाई  
के पहले और बाद की कई  
वृक्षोंतियों को कम करने के लिए  
किसानों के लाभ नवीनतम  
प्रौद्योगिकियों के प्रयारण में  
डॉक्टराणा कृषि विज्ञियालय द्वारा  
दिए जा रहे योगदान के लिए  
प्रशंसा की और आशा अस्ति की।

कि यह सम्मेलन और इसमें होने वाला विचार-विभास निश्चित रूप से कुण्डलीय में उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावशाली रूपरेखा तैयार करने में सकार होगा। विविधायिक फलस्ती वी नई किसी इजाद कर किसी वी आद बढ़ाने में उन्होंने योगदान दे रखा है। वर्तमान समय में जल स्ता नीचे जा रहा है, जिसके लिए पर्यावरण धर्म के अलावा क्या क्या कर सकता है तो उन्हें 7 इजाद रूपये प्रति एक हजार रुपया दिया जा रहा है।

सहरीकरण, साथ सुरक्षा, सत्ता विकास और लौटी जलवाया परिवर्तन के संदर्भ में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सम्मान कर रहा है। यह सम्मेलन विचार पर विभिन्न संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित करने वाले चुनौतियों का प्रभावी होगा जो समाधान करने में बहुत कामगार मिल होगा।

उन्होंने श्रीअमृत के संबंध में बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानसभा ने 75वें सत्र में चर्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेटस वर्ष घोषित किया है। जिसे जल संरक्षण

हीरामा कृषि विकासालय के कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि स्थायी और पौधण मुख्य मानव स्वाक्षर्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता, प्राचीरणीय स्वाक्षर्य, प्रतिकूल परिस्थितियों के खिलाफ लभीलापन मुनिशित करने और वैशिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कृषि अध्यम भूमिका निभाती है। उसीने कहा आज संपूर्ण विश्व बढ़ती जनसंख्या, वृद्धती जीवनशीली, विभिन्न



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.12.2023	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घोधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

**खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री**

पांच दो वर्षा

हिसार। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लालने सोमवार को बौध्दी चरण मिहि हरियाणा कृषि विधानसभा में बौध्दी खाद्य-पोषण मुद्रा, प्रियंका और व्यापक्य के लिए राजनीति विषय पर आयोजित अंतर्राजीय सम्मेलन का मुभायमंथ किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय पर्सार में कृषि शेत्र में उद्योगिता से सम्बद्धित प्रदर्शीय का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा कृषि विधानसभालालम में युवा उद्योगियों के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए प्री क्रियान्वयन इनक्लूबेसन मेंटर स्थापित है। इस मेंटर के माध्यम से यह 4 बच्चों में 6 करोड़ रुपये की खींच उपलब्ध करवाकर 100 स्टार्टअप शुरू करवाए जा चुके हैं। इन स्टार्टअपम् के माध्यम से ट्रिप्यू कल्याण तकनीक से केला, गोद की बेडवारीन किस्म तैयार करना तथा मोटे अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद तैयार किए गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने 14 देशों की प्रसिद्ध गोष्ठ सम्पादीों से आए प्रश्नात वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि शेत्र में यानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यहां के कृषि उत्पाद का नियंत्रित देश व दुनिया के कई देशों में हो रहा है। अब उत्पादन के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दुनिया के कई देशों के साथ हाजर सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।



उहाँने कहा थि कृष्ण द्वेष के उद्यान को लेकर  
मारकार छापा टोप संवाद उत्तर या रहे हैं। नई-नई  
तकनीक का इसेमाल किया जा रहा है, जिसके  
परिणाम स्वरूप हारियाणा प्रदेश ने इस देश में  
शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। कृष्ण द्वेष में  
रिकॉर्ड तोड़ उत्तराखण हो रहा है, लेकिन इसके साथ  
ही नई चुनौतियां भी यादी हो गई हैं। अधिक खाद  
एवं दूधिया के प्रयोग से फसल उत्पादक गुणवत्ता  
का सार गिर रहा है, जिससे मानव को अनेक  
बीमारियां अपने गिरफ्त में ले रही हैं। यहाँ नहीं

पानी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इन तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए अब विदेशी करता बहुत अवश्यक हो रहा है। इसमें वैज्ञानिकों का भूमिका अतीव महत्वपूर्ण बन गयी है। उन्होंने विद्युतीय जलाला कि हमारे वैज्ञानिक इन समस्याओं व चुनौतियों से पार पाकर अपने बालों पीड़ितों को मुख्य जीवन दैन का कम करेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राकृतिक खेतों को समय को मांग बढ़ाते हुए खास एवं योग्य सुधार के लिए वैज्ञानिक स्तर पर काफ़ी वैज्ञानिकों से समर्पित प्रयत्न करने

का अवलम्बन किया है।

पौराणिक है कि विश्वविद्यालय के कुलाली एवं सम्मेलन के मुख्य संस्थक योग्यता कानूनों के नियम में विश्वविद्यालय में 4 से 6 विद्यका तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, कानाराखनाह, जापान, फ्रान्स, फ्रैंसी, दक्षिणी अफ्रीका, चीन, मोरक्को सहित 15 देशों के 900 वैज्ञानिक व शोधकार्यों भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि वैधिकी चारण मिह इरियाणा कृपि विश्वविद्यालय के साथ देश के किसानों का भवनालय का विद्युत है। देश को अनावृत के लिए में

ओसामुक, डेनमार्क से हुई अलमद लहर, याकन में  
प्रोटोकॉल ने तो यह वह हुई टाक्कुवा लिया जाने का कानूनित स्थान  
में हुई विकार दर्शायित है हुई ओस्त्रेलिया एवं कॉर्नवोरा  
फ़ॉस में हुई बोल्चास खादी, पीडेंट में हुई टाक्कुवा के  
इतिहास का विवर से हुई हासियत स्थानी, कॉलोम्बिया में  
हुई देवदी नदी, सीम्पोर यैक्सिस्टो से हुई एवं एसके  
गढ़वाला एवं हुई नैवास्केल पर्यावरणीय, याकीन में हुई<sup>1</sup>  
फ़ासिमिक्ये पर्यावरणीय व हुई, याकीन हैनै-पर्यावरणीय,  
हैनै-याके से हुई, यारे यात्रा, इंडियास्ट्री से हुई, एसके  
पूरा, वैक्सिनेशन से हुई, चट्ठ पी, अंगूष्ठा तापमाल  
है। देश के प्रामिद रूप संस्थाओं में कार्यक्रम प्रशिक्षण  
विभागिक भी हुए सम्मेलन में व्याख्यान होने पूर्वे है,  
जिनमें एडेंटो अस्ट्रेलिया हो, एसके राष्ट्र, एडेंटो  
आहंके अन्त ही विवेद संघटनी इकट्ठि गयित्र है।

इस अवसर पर रहनी स्फूर्ति निवाप भंडे  
द्वारा कमल लगा, भाजव जिला अध्यक्ष केटन पूर्ण  
सिंह, मेहरा शेख सदाचार, मंदलभुक गोवा भारती,  
उपर्युक्त उपर्युक्त नाम आपुक प्रवीप दीया,  
कुलिम अध्योजक भोजन हाथा, धूर्य मध्य प्रा.  
छप्रशास्त्र, विधिविद्यालय के गुबार्डर बालदान सिंह  
महल, विधिविद्यालय के अनुसंधन निदेशक एवं  
सम्मेलन के अध्योजक मानिय द्वा. जीताम राम,  
ओंशमहो द्वा. अमृल देवेश, एस्टेट्सट डायरेक्टर  
एस्टेटेज द्वा केके शाद्य, एसवीसी कला  
अपोद्धा, इन्डिनपर अप्सित तंत्रजा, द्वा एसक चहुआ  
आदि उपर्युक्त थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	04.12.2023	--	--

सीएम मनोहर लाल ने चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ गुणवत्ता परक कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कई देशों के साथ मिलकर कर रही काम : मुख्यमंत्री

हिमारा, ४ दिसंबर ( समाज हरियाणा न्यूज़ ) : हरियाणा के मुख्यमंत्री ननेहर लला ने समाजवादी को चीधरी चरण में हरियाणा कृषि विभागविद्युतीय में चीधरी चरण पर्याय-पौधण सूरक्षा विभाग और स्वास्थ्य के लिए रणनीति विषय पर आदेशित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कृषि महाविद्युतीय परिसर में कृषि बीज में उत्तमिति से संबंधित प्रदर्शनी का अवकाश करवाया गया कि हरियाणा कृषि विभागविद्युतीय में कुछ उत्तमिती के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक विज्ञानीय इन्क्विज्शन मेंटर स्थापित है। इस मेंटर के माध्यम से गत ५ वर्षों में ६ करोड़ रुपये की खरीद उत्पादक करवाया 100 स्टार्टअप मुक्त फारम्यूला द्वारा दी गई है। इस स्टार्टअप के माध्यम से टिक्कू बलवार वकालीक द्वारा केला, गजा और बेलातीरन किया रहिया कराना तथा मौजूदा आवश्यक से दैवत साध उत्पाद तैयार किये गए हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने १५ देशों को प्रसिद्ध कृषि सम्बोधी से आए प्रधायान वैज्ञानिकों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश ने कृषि बीज में शानदार उत्पादकियां प्राप्त की हैं। यहाँ के कृषि उत्पाद का नियमों द्वारा उत्पाद के कई देशों में छोड़ दिया गया है। अब उत्पादप्रद ग्राम-साध इमारती ग्रन्थालय बहानों के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ साध सम्बन्ध बढ़ावा दाता किया जा रहा है। उन्होंने सभी देशों में उत्पादक हरियाणा सम्बन्ध के दौरी गांव व अन्य अतिविवेचनीय वाले वैज्ञानिकों से परायाक फलात्मक बहाने कि कृषि बीज के उत्पाद को लेकर सम्बन्ध बढ़ावा दिया जाए जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश





समाचार पत्र का नाम अजीत समाचार	दिनांक ५-१२-२३	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम १-४
-----------------------------------	-------------------	-------------------	-------------

**खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर करने होंगे सामूहिक प्रयास : मुख्यमंत्री**

हक्किं में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरम्भ \* मुख्यमंत्री ने उद्घाटन

हिमार, 4 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा); हरियाणा के मुख्यमंत्री मोहन लाल ने प्राकृतिक खेतों को समय की मांग बढ़ाते हुए खाता एवं पोषण मुख्या के लिए वैशिक सत्र पर कृषि वैज्ञानिकों से मानविक प्रयाप करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ज्ञान चौधरी द्वारा सिंह हरियाणा कृषि विभागितालय में 'वैशिक खाद्य-पोषण सम्बन्ध' विश्वास और स्वास्थ्य के लिए रणनीति' विषय पर अध्योक्षित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्पेलान तथा कृषि बैठक में उद्घाटित एवं नवाचाहत पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बहीर मुख्यमंत्री संचोलित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरित ज्ञानों के साथ फसल निर्माण लाने के लिए वैशिक



हकीकी में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कृषि दोत्र में उद्घाटिता एवं लदाचार पर प्रदर्शनों का अवलोकन करते बतौर मुख्याधिकारी हीरायणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित अन्य। व (दाए) तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उपरियत देश व दिवेश के शोध संस्थानों से आए प्रब्लयात वैज्ञानिकों से रुबरु होते हीरायणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल। शानदार उत्सवियां हासिल की गई हैं। कई देशों के साथ मिलकर राज्य पर्यावरण का नियमों देश सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। साथ हमने अच्छे संवेदन बनाए हैं जिसमें हमारे पक्ष बल हो 14 अंतर्राष्ट्रीय उत्सवों के दूसरे में इन्डियन के साथ-साथ जापान का भी योगदान दिया है जोकि सुन्दर।

और भविष्य में बाजा एक महत्वपूर्ण फसल है। उन्होंने फसल सूखा, प्रकृतिक खेती, लकड़ाया लचीलायन, मूल्य संवर्धन, आप सुनन, भारतीय कृषिका प्रबोधन और फसल कटाई के पहले और बढ़ की कई चुनौतियों को कम करने के लिए किसानों के बीच नैनगढ़ श्रीशोभिकियों के प्रसारण में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए योगदान के लिए प्रशंसा की और अशा वरक की कि यह सम्मेलन और इसमें होने वाला विद्या-विभाग निश्चित हार में कृषि भेज में उपलब्ध करने के लिए एक प्रभावशाली लोगों तैयार करने में महत्व होगा। विश्वविद्यालय फसलों को नई किसिं इजाद कर किसानों की आप बढ़ाने में उद्योगदान दे रहा है। वर्तमान समय में जल संरक्षण का तथा है, जिसके लिए यहि किसान यान् के अलावा अपने फसल उत्पाद हो तो उनको 7 हजार रुपये दूरी तक अनुदान दिया जा रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृतिवार्ता प्रो. बी.आर. कांबोज ने कहा कि खाद्य और पोषण सूखा, मानस स्वास्थ्य, अर्थिक विकास, सामाजिक विश्वास, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, प्रतिकृति पर्यावरणियों के उत्पादन लचीलायन सुनिश्चित करने और नैचिक औजाओं को प्राप्त करने में कृषि अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा आज संसार के बढ़ बढ़ी जलसंकट, बदलती जलवायीली, बढ़े राशीकरण, खाद्य सूखा, सतत विकास और तत्त्वज्ञानायु विश्वविद्यालय के संर्वे में परिवर्तनकारी चुनौतियों का सम्बन्ध कर रहा है।



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमीद रुक्माता	५-१२-२३	५	१-६

**बायोमास का खेत में ही जैविक तरीके से करें निपटान**

### With further training

दिसारा एकी यह निर्विकल्प कुरुति  
विवरणितात् (प्रत्यय) के लिए यह पर्याप्त  
मापात् है। अतः इसका विवरण साधा-  
यमात् और अन्यतर के लिए यहाँ दी-  
तिथ्य वह तीन विवरों भवाराट्टी-  
मापात् का मापात् है। अतः अन्य-  
तर वह काम के लियाँ दीति-  
यमापात् के माह विवरण द्वारा यही-  
ने विवरण है।



第10章

**खाद्य मिशन और स्वास्थ्य जुड़ी हुई अवधारणा**  
 नूतनी एवं स्थानीय के समाजों में बोली ने भवित्व के समाजों के लिए उद्देश्य व्यापकीयता के अस्तित्व के बाहर आवश्यकीयों की प्राप्ति के लिए विकास का और जीवन सुधार का बोली ने जीवन एवं विकास का है। जीवन विकास एवं समाज के लिए जो भवन्ति विकास मुझे एवं आप करें। जीवन विकास वह स्वास्थ्य जीवन में है।



— 10 —

अभियांत्रिकी आधारित तकनीक से कृषि क्षेत्र में कृषकों को सपनता संभव

हिन्दू। असीकर की ऐसी  
विजयवान्मारुप के साथ  
मीठेसे भी बापोंने वे  
प्रबलाप वे जाए सागा नि-  
अवश्यित व सेवाकिंव तक  
दे करि देव दे उन्हें  
सम्मान मिला है।

इदानि युवापाल पर्याप्त  
किए दीपन कर्मणि का  
कम भूषि जले विद्युतः ।  
यज्ञ महायज्ञ ब्रह्म व व  
तिरु वासन विद्युतः । उन  
की विद्युत वेष्टि गायत्री

प्री. सानिंगो मो. कापहरदा बोले-  
अपरिषट पठार्य का प्रबधन जर्नी

दिनांक संख्या की विधानात यह वर्णन के लिए कानून बैठक, कानून अधिकारी विधानसभा के सभा ही करता है। इसका उपर्युक्त कानून दिनांक संख्या को विधान सभा में प्रवाहित करना चाहिए कानून मुद्रण उद्देश्य है।



प्रायाश के द्वितीय गांधी अवसरा में रिहाई लड़ बैठक सुनवा गई बायोट ने इसे 195-हीट विषय का घोषित किया। अब भी विषय का उल्लंघन नहीं होता।